

594

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक

12056 निगरानी

दिनांक - 3406-116

बाबूराम मृत वारिसान राजकुमार पुत्र
बाबूराम निवासी ग्राम उमरी, तेहसील व
जिला मिण्ड-म०प० ।

----- प्राथी

बिराध्व

संजु पुत्र जयराम सिंह यादव, निवासी ग्राम
उमरी तेहसील व जिला मिण्ड-म०प० ।

2- वेनीराम पुत्र लखे, निवासी ग्राम उमरी,
तेहसील व जिला मिण्ड-म०प० ।

----- प्रतिप्राथीगण

दिनांक 30-9-16 का
प्रतिपत्र क्र० 116/1-
आ० ए० प्र०/१-

30-9-16

116
30-9-16

30/9/16

निगरानी बिराध्व आदेश एस०डी०ओ० महोदय, मिण्ड दिनांक
१४-०६-१६, अन्तर्गत धारा ५० मध्यप्रदेश मू-राजस्व संहिता, १९५६ ।
प्र०क्र० ५६।११-१२ अपील ।

श्रीमान् जी,

निगरानी का प्राथना पत्र निम्नानुसार प्रस्तुत है :-


- १- यह कि, एस०डी०ओ० महोदय की आज्ञा कानूनन सही नहीं है ।
- २- यह कि, एस०डी०ओ० महोदय ने प्रकरण के रूप एवं कानूनी स्थिति को सही नहीं समझा है ।
- ३- यह कि, एस०डी०ओ० महोदय की आदेश पत्रिका दिनांकी १५-०६-१६ से २१-०८-१६ तक के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रकरण में प्राथी की साक्ष्य उपस्थित होते हुये भी साक्ष्य की कार्यवाही नहीं की गई है, ऐसी स्थिति में प्राथी को साक्ष्य हेतु कई अवसर देने एवं साक्ष्य पेश न करने के आधार पर प्राथी के साक्ष्य के अवसर को समाप्त किये जाने का आदेश अमिलेख एवं प्रकरण की परिस्थितियों के विपरीत होने से निरस्त योग्य है ।

3

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - निगरानी-3406-एक/16

जिला - भिण्ड

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
19-12-18	<p>आवेदक की ओर से अधिवक्ता श्री एस.के. अवस्थी उपस्थित। आवेदक की ओर से यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी के आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म.प्र. भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुए संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध सुनवाई कलेक्टर द्वारा की जाना है। अतः यह प्रकरण सुनवाई हेतु कलेक्टर को भेजा जाता है। उभयपक्ष प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 24.11.19 को कलेक्टर, जिला भिण्ड के समक्ष उपस्थित हों।</p>	<p style="text-align: right;">  प्रशासकीय सदस्य </p>